रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99

REGD. NO. D L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

Part II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 384] नई दिल्ली, बुधवार, जून 7, 2000/ज्येष्ठ 17, 1922

No. 384] NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 7, 2000/JYAISTHA 17, 1922

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 जून, 2000

का. आ. 554(अ).—केन्द्रीय सरकार, जिसकी राय में ऐसा करना आवश्यक हो गया है, विधि-विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए "विधि-विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिकरण" का गठन करती है, जिसमें दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री एस. के. महाजन होंगे।

[फा. सं. I-11034/9/2000-आई.एस.डी.आई.(ए)]

एम. बी. कौशल, विशेष सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th June, 2000

S.O. 554(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government, being of the opinion that it is necessary so to do, hereby constitutes the 'Unlawful Activities (Prevention) Tribunal', consisting of Mr. Justice S. K. Mahajan, Judge of the Delhi High Court.

[F No. I-11034/9/2000-ISDI(A)]

M. B KAUSHAL, Spl. Secy.

1616 GI/2000

Printed by the Manager, Govt of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054